राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
से जनसंचार एवं पत्रकारिता विषय में
पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध-सार

शोधार्थी

सुषमा देवी

नामांकन सं०–168/10

शोध निर्देशक

डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह

सहायक आचार्य

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग
मीडिया एवं संचार विद्यापीठ
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नैक ए++ मान्यता प्राप्त
विद्याविहार, रायबरेली रोड,
लखनऊ–226025 (उ०प्र०) (भारत)

2024

राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका

शोध-सार

प्रस्तावना

राजनीतिक संचार लोकतांत्रिक समाजों का एक मौलिक पहलू है, जो नागरिकों, राजनीतिक नेताओंऔर शासी संस्थानों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। परंपरागत रूप से, राजनीतिक संचार समाचार पत्रों, रेडियो और टेलीविजन जैसे स्थापित मीडिया चैनलों पर बहुत अधिक निर्भर था। हालांकि, प्रौघोगिकी की तेजी से प्रगति और न्यू मीडिया प्लेटफार्मों के उद्भव ने राजनीतिक संचार के परिदृश्य को काफी बदल दिया है।

आज के युग में, सूचना, संचार और प्रौघोगिकी में तेजी से प्रगति द्वारा चिह्नित, जिस तरह से लोग जानकारी की तलाश और उपभोग करते हैं, उसमें गहरा परिवर्तन हुआ है। पहले के समय में, जब व्यक्ति बौद्धिक उत्तेजना या मनोरंजन की मांग करते थे, तो वे अक्सर पुस्तकों, समाचार पत्रों या साहित्य के अन्य रूपों की ओर रुख करते थे। चाहे घर पर या यात्रा करते समय, इन मुद्रित सामग्रियों ने ज्ञान के स्रोत और दुनिया के साथ जुड़ने का साधन प्रदान किया।

हालांकि, इंटरनेट के आगमन और स्मार्टफोन के प्रसार के साथ, सूचना की खपत के प्रति दृष्टिकोण में काफी बदलाव आया है। आजकल, जब कुछ पढ़ने की इच्छा आती है, तो सहज प्रतिक्रिया एक भौतिक पुस्तक के बजाय स्मार्टफोन तक पहुंचना होता है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म दोस्तों, परिवार और यहां तक कि अजनबियों द्वारा साझा किए गए आकर्षक पोस्ट पढ़ने की सामग्री के लिए स्रोत बन गए हैं।

इंटरनेट के विकास और न्यू मीडिया के उदय ने न केवल लोगों के संवाद करने के तरीके में क्रांति ला दी है, बल्कि मानव संपर्क और विचारों के आदान-प्रदान के परिदृश्य को भी बदल दिया है। न्यू मीडिया विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों को संदर्भित करता है जो व्यक्तियों को व्यापक दर्शकों के साथ विचार, जानकारी, फोटो, वीडियो और बहुत कुछ साझा करने में सक्षम बनाता है।

आज, अनगिनत वेबसाइटें और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दुनिया भर में मौजूद हैं, जो व्यक्तियों को विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करने, चर्चाओं में संलग्न होने और अपने अद्वितीय दृष्टिकोण को सामने लाने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। न्यू मीडिया जनमत निर्माण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है, जिसने व्यक्तियों को राजनीतिक प्रवचन में भाग लेने के तरीके को नया रूप दिया है। अतीत के विपरीत, जहां रेडियो, टेलीविजन और समाचार पत्रों जैसे पारंपरिक मास मीडिया ने जनता की राय को आकार दिया और प्रसारित किया, प्रतिमान न्यू मीडिया प्लेटफार्मों के पक्ष में बदल गया है।

आम लोगों के अलावा आज राजनेता भी बड़ी संख्या में न्यू मीडिया का इस्तेमाल अपनी राजनीति प्रचार के लिए कर रहे हैं, जहां पहले कुछ ही भारतीय नेताओं के पास ट्विटर अकाउंट था वहीं आज प्रत्येक दल के लगभग सभी नेता ट्विटर पर संचार कर रहे है। बी. एस.पी की नेता मायावती जो मीडिया से हमेशा दूर रहती थी आज उन्होंने भी न्यू मीडिया की ताकत को समझा और 6 फ़रवरी 2019 को टूट्विटर पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर संचार कर रही हैं। राजनीतिक दलों में न्यू मीडिया के जरिये अपनी सकारात्मक छवि जनता के बीच स्थापित करने की होड़ लग गयी हैं, इसके लिए वे अतिरिक्त धन खर्च करने में भी गुरेज नहीं करते हैं न्यू मीडिया में राजनितिक प्रचार की महत्व को समझते हुए आज लगभग सभी राजनैतिक दल आई.टी.सेल का गठन कर रहे हैं। इस सेल में न्यू मीडिया के इस्तेमाल में निपुण व्यक्तियों की टीम तैयार की जाती हैं। ये विभिन्न तरीकों से न्यू मीडिया

में अपने राजनैतिक दल का प्रचार करते हैं एवं जनमत को अपने दल के अनुकूल बनाने का प्रयास करते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव हो या भारत में हुए लोकसभा चुनाव दोनों ही चुनावों में न्यू मीडिया की अहम् भूमिका देखने को मिली हैं ।2012 में हुए अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों ने न्यू मीडिया ने चुनाव प्रचार में 11 अरब 40 करोड़ डॉलर (लगभग 775 अरब भारतीय रुपये) Prakashhindustani (2014, November 6)खर्च किया था. बराक ओबामा ने न्यू मीडिया साईट रेडिट में (आस्क मी अनिथिंग)

The Guardian. (2012, August 29) अभियान चलाया, जिसके तहत कोई मतदाता उनसे कोई भी सवाल कर सकता था और वे उसका जवाब देते थे, जबकि उनके प्रतिद्वंदी केवल अपनी गतिविधियों सम्बन्धी जानकारी ही देने तक सीमित रहे और मतदाताओं से संपर्क नहीं कर पाए।

चुनाव के दौरान बीजेपी ने एक अलग डिजिटल टीम बनाई थीं चुनाव के दौरान एवं अगस्त जोर 2013 में प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के लिए मोदी के चयन के बाद से ही बीजेपी ने न्यू मीडिया के इस्तेमाल पर पूरा लगा दिया था।चुनाव के उपरांत बीजेपी ने ऐसी 115 सीटों की पहचान की थी जहां हार-जीत में न्यू मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान था। (अनुजधर्मादिकारी 2020) आज न्यू मीडिया के प्लेटफार्म का इस्तेमाल न केवल राय निर्मित करने में बल्कि मुद्दे बनाने में भी किया जा रहा हैं।अर्थात क्या सोचना ही नहीं बल्कि किस विषय में क्या सोचना है इसका निर्धारण भी न्यू मीडिया कर रहा है। राजनीति में न्यू मीडिया के योगदान को देखते हुए इनके बीच के संबंध को समझने के लिए शोध की आवश्यकता है. शोध कार्य का राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका को समझना है।

अनुसंधान उद्देश्य

राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका विषय पर अध्ययन के अनुसंधान उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- **राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका की जांच करने के लिए:** इस उद्देश्य में उन तरीकों का विश्लेषण करना शामिल है जिनमें न्यू मीडिया प्लेटफॉर्म, जैसे सोशल मीडिया, ऑनलाइन समाचार आउटलेट और डिजिटल संचार उपकरण, राजनीतिक संचार में उपयोग किए जाते हैं। इसका उद्देश्य यह समझना है कि न्यू मीडिया राजनीतिक जानकारी के प्रसार, सार्वजनिक राय के गठन और राजनीतिक प्रवचन में व्यक्तियों के जुड़ाव को कैसे प्रभावित करता है।
- **राजनीतिक दलों के लिए प्रचार के साधन के रूप में न्यू मीडिया के उपयोग का विश्लेषण करने के लिए:** यह उद्देश्य यह जांचने पर केंद्रित है कि राजनीतिक दल अपने राजनीतिक प्रचार के लिए न्यू मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग कैसे करते हैं। इसका उद्देश्य पार्टियों द्वारा अपने एजेंडे को बढ़ावा देने, सार्वजनिक धारणा को आकार देने और न्यू मीडिया चैनलों के माध्यम से समर्थन जुटाने के लिए नियोजित रणनीतियों की जांच करना है।
- **राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया द्वारा लाई गई पारदर्शिता का आकलन करने के लिए:** इस उद्देश्य में यह मूल्यांकन करना शामिल है कि न्यू मीडिया प्लेटफॉर्म राजनीतिक संचार में पारदर्शिता को किस हद तक बढ़ाते हैं। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि कैसे सूचना की पहुंच और न्यू मीडिया की इंटरैक्टिव प्रकृति राजनीतिक प्रक्रियाओं में अधिक पारदर्शिता में योगदान करती है, जिसमें चुनाव अभियान, नीति-निर्माण और सरकारी संचालन शामिल हैं।

- **राजनीतिक संचार के लिए एक माध्यम के रूप में न्यू मीडिया की शक्ति की जांच करना:** इस उद्देश्य के अंतर्गत राजनीतिक कथाओं को आकार देने, जनता की राय जुटाने और निर्णय लेने को प्रभावित करने में न्यू मीडिया के प्रभाव और प्रभाव को समझना है। इसमें टेलीविजन और समाचार पत्रों जैसे पारंपरिक मास मीडिया चैनलों की तुलना में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों की पहुंच और प्रभावशीलता की खोज शामिल है।
- **चुनावों के दौरान न्यू मीडिया की भूमिका का पता लगाने के लिए:** यह उद्देश्य विशेष रूप से चुनावी प्रक्रियाओं में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य यह जांचना है कि राजनीतिक अभियान मतदाता आउटरीच, जुड़ाव और अनुनय के लिए न्यू मीडिया का उपयोग कैसे करते हैं। यह मतदाता व्यवहार, चुनाव अभियानों और चुनावी परिणामों पर न्यू मीडिया के प्रभाव की भी जांच करता है।
- **जनता की राय को आकार देने में न्यू मीडिया पर चर्चा की भूमिका को समझने के लिए:** इस उद्देश्य में जनता की राय को आकार देने में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों पर होने वाली चर्चाओं और वार्तालापों की भूमिका का अध्ययन करना शामिल है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि ऑनलाइन चर्चा, बहस और सामाजिक बातचीत व्यक्तियों के दृष्टिकोण, विश्वासों और राजनीतिक निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करती है।
- **राजनीति, सार्वजनिक राय और न्यू मीडिया के बीच संबंधों की जांच करने के लिए:** यह उद्देश्य राजनीति, सार्वजनिक राय गठन और न्यू मीडिया प्लेटफार्मों के बीच जटिल अंतःक्रिया को समझने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य यह जांचना है कि राजनेताओं, पार्टियों और हित समूहों सहित राजनीतिक नेता, जनता की राय को प्रभावित करने के लिए न्यू मीडिया का उपयोग कैसे करते हैं और बदले में,

सार्वजनिक भावना, राजनीतिक संचार और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती है।

इन शोध उद्देश्यों को संबोधित करके, अध्ययन का मूल उद्देश्य राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए इसके निहितार्थ, और राजनीतिक नेताओं, नीति निर्माताओं और जनता के लिए प्रस्तुत चुनौतियों और अवसरों की व्यापक समझ प्रदान करना है।

अनुसंधान प्रश्न

राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका पर अध्ययन के लिए शोध प्रश्न इस प्रकार हैं:

1. **राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की क्या भूमिका है?** इस प्रश्न का उद्देश्य उन विभिन्न तरीकों का पता लगाना है जिनमें राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग किया जाता है, जिसमें सूचना प्रसार, जनता के साथ जुड़ाव और राजनीतिक समर्थन जुटाना शामिल है।
2. **क्या न्यू मीडिया राजनीतिक पार्टी के प्रचार का साधन बनकर उभरा है?** यह प्रश्न इस बात की जांच करने पर केंद्रित है कि राजनीतिक दल प्रचार और जनता की राय को आकार देने के लिए एक उपकरण के रूप में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग किस हद तक करते हैं। यह पार्टियों द्वारा नियोजित रणनीतियों और राजनीतिक आख्यानों को प्रभावित करने में न्यू मीडिया की प्रभावशीलता को समझने का प्रयास करता है।
3. क्या न्यू मीडिया से राजनीतिक संचार में पारदर्शिता आयी है? यह प्रश्न जांच करता है कि क्या न्यू मीडिया प्लेटफार्मों ने राजनीतिक संचार में अधिक पारदर्शिता में योगदान दिया है। यह इस बात की पड़ताल करता है कि सूचना की पहुंच और न्यू

मीडिया की इंटरैक्टिव प्रकृति चुनाव अभियानों, नीति-निर्माण और सरकारी संचालन जैसे क्षेत्रों में पारदर्शिता को कैसे प्रभावित करती है।

4. **क्या न्यू मीडिया वर्तमान में राजनीतिक संचार का एक सशक्त माध्यम है?** इस प्रश्न का उद्देश्य राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया के प्रभाव और शक्ति का आकलन करना है। यह जनमत और राजनीतिक प्रवचन को आकार देने में टेलीविजन और समाचार पत्रों जैसे पारंपरिक मास मीडिया चैनलों की तुलना में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों की पहुंच और प्रभाव की जांच करता है।

5. **चुनाव के समय न्यू मीडिया की क्या भूमिका होती है?** यह प्रश्न विशेष रूप से चुनावी प्रक्रियाओं के दौरान न्यू मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि राजनीतिक अभियान मतदाता आउटरीच, जुड़ाव और अनुनय के लिए न्यू मीडिया का उपयोग कैसे करते हैं, और न्यू मीडिया मतदाता व्यवहार और चुनावी परिणामों को कैसे प्रभावित करता है।

6. **न्यू मीडिया पर होने वाले विमर्श की नीति जनमत में क्या भूमिका है?** यह प्रश्न जनता की राय को आकार देने में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों पर चर्चा और बातचीत के प्रभाव की पड़ताल करता है। यह व्यक्तियों के दृष्टिकोण, विश्वासों और राजनीतिक निर्णय लेने पर ऑनलाइन चर्चाओं, बहस और सामाजिक बातचीत के प्रभाव की जांच करता है।

7. **राजनीति, लोकविमर्श और न्यू मीडिया के बीच क्या संबंध है?** यह प्रश्न राजनीति, जनमत निर्माण और न्यू मीडिया प्लेटफार्मों के बीच जटिल संबंधों को समझना चाहता है। यह जांच करता है कि राजनीतिक नेता जनता की राय को प्रभावित करने के लिए न्यू मीडिया का उपयोग कैसे करते हैं और सार्वजनिक भावना, बदले में, राजनीतिक संचार और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती है।

इन शोध प्रश्नों को संबोधित करके, अध्ययन का उद्देश्य राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका, प्रभाव और निहितार्थ में अंतर्दृष्टि प्रदान करना है, राजनीति, सार्वजनिक राय और न्यू मीडिया प्लेटफार्मों के बीच विकसित गतिशीलता की बेहतर समझ में योगदान देना है।

शोध कार्यप्रणाली

अनुसंधान डिजाइन

राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका पर इस अध्ययन में नियोजित अनुसंधान डिजाइन एक मिश्रित-विधि दृष्टिकोण है। यह दृष्टिकोण अनुसंधान विषय की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक तरीकों को जोड़ता है।

मिश्रित-विधियों का डिजाइन संख्यात्मक डेटा और समृद्ध गुणात्मक अंतर्दृष्टि दोनों के एकीकरण की अनुमति देता है, जिससे अनुसंधान उद्देश्यों की अधिक व्यापक खोज हो सकती है। मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा दोनों का उपयोग करके, अध्ययन अनुसंधान विषय के विभिन्न पहलुओं को संबोधित कर सकता है और राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका की अधिक समग्र समझ प्रदान कर सकता है।

अनुसंधान डिजाइन के मात्रात्मक घटक में सर्वेक्षण के माध्यम से संख्यात्मक डेटा का संग्रह और विश्लेषण शामिल है। न्यू मीडिया उपयोग, राजनीतिक जुड़ाव और राजनीतिक संचार की धारणाओं के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए आबादी के प्रतिनिधि नमूने को सर्वेक्षण प्रशासित किया जाएगा। यह मात्रात्मक डेटा सांख्यिकीय उपाय और पैटर्न प्रदान करेगा, जिससे मात्रात्मक विश्लेषण और रुझानों और संबंधों की पहचान की अनुमति मिलेगी।

अनुसंधान डिजाइन के गुणात्मक घटक में साक्षात्कार और सामग्री विश्लेषण के माध्यम से गुणात्मक डेटा का संग्रह और विश्लेषण शामिल है। राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया पर

अपने अनुभवों, रणनीतियों और दृष्टिकोणों में गहराई से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए राजनेताओं के साथ साक्षात्कार आयोजित किए गए है । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन समाचार आउटलेट और राजनीतिक वेबसाइटों पर साझा की गई सामग्री की जांच करने के लिए सामग्री विश्लेषण नियोजित किया जाएगा। यह गुणात्मक डेटा समृद्ध कथाओं, व्यक्तिगत अनुभवों और न्यू मीडिया की भूमिका और प्रभाव की बारीक समझ प्रदान करेगा।

एक मिश्रित-तरीकों के अनुसंधान डिजाइन को नियोजित करके, इस अध्ययन का उद्देश्य मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों तरीकों की ताकत को भुनाना है। संख्यात्मक डेटा और गुणात्मक अंतर्दृष्टि का संयोजन अनुसंधान उद्देश्यों और अनुसंधान प्रश्नों के अधिक व्यापक अन्वेषण को सक्षम करेगा, जिससे निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। यह शोध डिजाइन राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका की बहु-आयामी समझ के लिए अनुमति देता है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर इसके प्रभाव की अधिक पूर्ण तस्वीर प्रदान करता है।

डेटा संग्रह के तरीके

राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका पर इस अध्ययन में, प्रासंगिक जानकारी और अंतर्दृष्टि इकट्ठा करने के लिए कई डेटा संग्रह विधियों को नियोजित किया गया है । इस शोध में उपयोग किए जाने वाले प्राथमिक डेटा संग्रह विधियों में सर्वेक्षण, साक्षात्कार और सामग्री विश्लेषण शामिल हैं।

सर्वेक्षण: न्यू मीडिया उपयोग, राजनीतिक जुड़ाव और राजनीतिक संचार की धारणाओं पर मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण आयोजित किए गए थे। आबादी के प्रतिनिधि नमूने से डेटा इकट्ठा करने के लिए एक संरचित प्रश्नावली विकसित की गई थी, जिसमें क्लोज-एंडेड और लिकट-स्केल प्रश्न शामिल थे। सर्वेक्षण प्रतिभागियों की वरीयताओं और

पहुंच के आधार पर या तो ऑनलाइन या आमने-सामने साक्षात्कार के माध्यम से प्रशासित किए गए।

साक्षात्कार: राजनीतिक संचार के क्षेत्र में प्रमुख हितधारकों के साथ गहन साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। राजनेताओं को साक्षात्कार प्रतिभागियों के रूप में चुना गया । प्रमुख विषयों के लचीलेपन और अन्वेषण की अनुमति देते हुए स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अर्ध-संरचित साक्षात्कार गाइड विकसित किए गए थे। साक्षात्कार प्रतिभागियों की सहमति के साथ दर्ज किए गए थे और आगे के विश्लेषण के लिए स्थानांतरित किए गए थे।

सामग्री विश्लेषण: सामग्री विश्लेषण को विभिन्न न्यू मीडिया प्लेटफार्मों, ऑनलाइन समाचार आउटलेट्स और राजनीतिक वेबसाइटों पर साझा की गई सामग्री की जांच करने के लिए नियोजित किया गया था। राजनीतिक नेताओंद्वारा नियोजित संचार रणनीतियों और संदेशों में विषयों, रुझानों और पैटर्न की पहचान करने के लिए पाठ्य और दृश्य सामग्री का विश्लेषण करने के लिए एक व्यवस्थित और संरचित दृष्टिकोण का उपयोग किया गया था।

अवलोकन: राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया के उपयोग में प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए अवलोकन का उपयोग डेटा संग्रह विधि के रूप में भी किया गया था। शोधकर्ताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों, ऑनलाइन मंचों और अन्य डिजिटल स्थानों पर व्यक्तियों और राजनीतिक नेताओंकी गतिविधियों, बातचीत और व्यवहार को देखा और प्रलेखित किया।

दस्तावेज़ विश्लेषण: दस्तावेज़ विश्लेषण में राजनीतिक अभियान सामग्री, नीति दस्तावेज, और राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया उपयोग से संबंधित रिपोर्ट जैसे प्रासंगिक दस्तावेजों की जांच शामिल थी। इन दस्तावेजों ने न्यू मीडिया की भूमिका और प्रभाव में अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी और अंतर्दृष्टि प्रदान की।

इन डेटा संग्रह विधियों का चयन अनुसंधान विषय के व्यापक और बहु-आयामी अन्वेषण के लिए अनुमति देता है। सर्वेक्षण मात्रात्मक डेटा प्रदान करते हैं जिन्हें रुझानों और पैटर्न की

पहचान करने के लिए सांख्यिकीय रूप से विश्लेषण किया जा सकता है, जबकि साक्षात्कार गुणात्मक अंतर्दृष्टि और व्यक्तिगत दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। सामग्री विश्लेषण और अवलोकन न्यू मीडिया प्लेटफार्मों में वास्तविक संचार सामग्री और व्यवहार की जांच करके समझ की एक और परत जोड़ते हैं।

इन डेटा संग्रह विधियों के संयोजन को नियोजित करके, इस अध्ययन का उद्देश्य राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका पर डेटा और दृष्टिकोण की एक विस्तृत श्रृंखला इकट्ठा करना है। एकत्र किए गए डेटा अनुसंधान निष्कर्षों के व्यापक विश्लेषण और व्याख्या में योगदान देंगे, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर न्यू मीडिया के प्रभाव की समझ को बढ़ाएंगे।

नमूना तकनीक और नमूना आकार

राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका पर इस अध्ययन में, लक्षित आबादी से अनुसंधान प्रतिभागियों का चयन करने के लिए एक नमूना तकनीक नियोजित की गई थी। एक उपयुक्त नमूना आकार और नमूना तकनीक का चयन निष्कर्षों की प्रतिनिधिता और सामान्यता सुनिश्चित करता है।

नमूना करण तकनीक:

इस अध्ययन में उपयोग की जाने वाली नमूना तकनीक संभाव्यता और उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण का एक संयोजन है। यादृच्छिक चयन के सिद्धांतों के आधार पर जनसंख्या के प्रतिनिधि नमूने का चयन करने के लिए संभाव्यता नमूनाकरण नियोजित किया गया था। यह पूर्वाग्रह को कम करने और बड़ी आबादी के लिए निष्कर्षों को सामान्य बनाने की संभावना को बढ़ाने में मदद करता है। उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण का उपयोग विशेष रूप से पुराने मतदाताओं को लक्षित करने के लिए भी किया गया था जो न्यू मीडिया प्लेटफार्मों के सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। यह लक्षित दृष्टिकोण उन प्रतिभागियों के समावेश को सुनिश्चित करता है जो अनुसंधान उद्देश्यों के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक हैं।

नमूना आकार:

नमूना आकार का निर्धारण विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें अनुसंधान उद्देश्य, वांछित परिशुद्धता का स्तर और उपलब्ध संसाधन शामिल हैं। लखनऊ उ०प्र० की राजधानी होने के साथ उ०प्र० का प्रमुख राजनीतिक केन्द्र भी है। लखनऊ शहर की जनसंख्या (आबादी) मे समाज के सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व मिलता है। लखनऊ में विधानसभाओं की संख्या 9 है। प्रत्येक विधानसभा को एक समूह माना गया है। जो कि निम्न है:-

168 — मलिहाबाद, 169 - बक्शी का तालाब, 170 - सरोजनीनगर, 171 - लखनऊ पश्चिम, 172-लखनऊ उत्तर 173 - लखनऊ पूर्व, 174 - लखनऊ मध्य, 175 - लखनऊ छावनी, 176 - मोहनलालगंज शोध क्षेत्र लखनऊ

निर्देश - उद्देशात्मक निर्देश (Purposive sampling)

प्रत्येक विधान सभा से 70-70 उत्तर दाताओं को लिया गया हैं।

साथ ही अनुसूची भराते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि उत्तर दाता न्यू मिडिया का उपयोग करते हो ।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जबकि अध्ययन के निष्कर्षों को चयनित नमूने और संभावित रूप से समान आबादी के लिए सामान्यीकृत किया जा सकता है, पूरी आबादी के लिए सामान्यीकरण सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। शोध निष्कर्षों को नमूने के संदर्भ में व्याख्या की जानी चाहिए और पुराने मतदाताओं के बीच राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका में मूल्यवान अंतर्दृष्टि के रूप में माना जाना चाहिए।

डेटा विश्लेषण तकनीक

राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका पर इस अध्ययन में, एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण करने और सार्थक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए विभिन्न डेटा विश्लेषण तकनीकों

को नियोजित किया गया था। इस शोध में उपयोग की जाने वाली डेटा विश्लेषण तकनीकों में अनुसंधान विषय की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों तरीके शामिल हैं।

मात्रात्मक डेटा विश्लेषण:

सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र किए गए मात्रात्मक डेटा का विश्लेषण सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके किया गया था। वर्णनात्मक आंकड़े, जैसे आवृत्तियों, प्रतिशत, साधन और मानक विचलन, मात्रात्मक डेटा को संक्षेप में प्रस्तुत करने और पैटर्न और रुझानों की पहचान करने के लिए गणना की गई थी। सहसंबंध विश्लेषण और प्रतिगमन विश्लेषण जैसे अनुमानित आंकड़ों का उपयोग चर और परीक्षण परिकल्पनाओं के बीच संबंधों की जांच करने के लिए किया गया था। सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर, जैसे एसपीएसएस या एक्सेल, मात्रात्मक डेटा के विश्लेषण की सुविधा के लिए उपयोग किया गया था।

गुणात्मक डेटा विश्लेषण:

साक्षात्कार और सामग्री विश्लेषण के माध्यम से एकत्र किए गए गुणात्मक डेटा का विश्लेषण विषयगत विश्लेषण का उपयोग करके किया गया था। विषयगत विश्लेषण में गुणात्मक डेटा के भीतर विषयों और पैटर्न की पहचान और संगठन शामिल है। प्रमुख विषयों और उप-विषयों की पहचान करने के लिए लिखित साक्षात्कार और पाठ्य या दृश्य सामग्री की व्यवस्थित रूप से समीक्षा, कोडित और वर्गीकृत किया गया है । विश्लेषण प्रक्रिया में डेटा में विसर्जन, प्रारंभिक कोड की पीढ़ी, विषयों का विकास और निष्कर्षों की व्याख्या शामिल है ।

मात्रात्मक और गुणात्मक निष्कर्षों का एकीकरण:

मात्रात्मक और गुणात्मक निष्कर्षों का एकीकरण इस अध्ययन में डेटा विश्लेषण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है। अनुसंधान विषय की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए मात्रात्मक

और गुणात्मक डेटा की तुलना, विपरीत और संश्लेषित किया जाएगा। विभिन्न डेटा स्रोतों से निष्कर्षों का त्रिकोण परिणामों की वैधता और विश्वसनीयता को बढ़ाएगा। गुणात्मक अंतर्दृष्टि मात्रात्मक निष्कर्षों को समझाने और प्रासंगिक बनाने में भी मदद कर सकती है, जो राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका की गहरी समझ प्रदान करती है।

डेटा विज़ुअलाइज़ेशन तकनीक, जैसे चार्ट, ग्राफ़ और तालिकाएं, निष्कर्षों को स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने के लिए उपयोग की। डेटा का यह दृश्य प्रतिनिधित्व परिणामों को प्रभावी ढंग से संवाद करने में मदद करता है और अनुसंधान निष्कर्षों की व्याख्या और चर्चा की सुविधा प्रदान करता है।

मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा विश्लेषण तकनीकों के संयोजन को नियोजित करके, इस अध्ययन का उद्देश्य राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका का व्यापक और सूक्ष्म विश्लेषण प्रदान करना है। विभिन्न डेटा स्रोतों से निष्कर्षों का एकीकरण अनुसंधान निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता को बढ़ाता है, अनुसंधान विषय की अधिक मजबूत समझ में योगदान देता है।

निष्कर्ष

प्रमुख निष्कर्षों का सारांश

इस शोध का उद्देश्य मतदाताओं, मीडिया सामग्री और विशेषज्ञ दृष्टिकोणों के मिश्रित-तरीकों के अध्ययन के माध्यम से राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया प्रौद्योगिकियों की भूमिका की जांच करना था। विश्लेषण से उभरने वाले प्रमुख निष्कर्षों को संक्षेप में नीचे दिया गया है:

सर्वेक्षण के परिणामों ने मतदाताओं के लिए राजनीतिक समाचार और सूचना के स्रोतों के रूप में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों की बढ़ती प्रमुखता का संकेत दिया। सोशल मीडिया, ऑनलाइन समाचार साइटों, यूट्यूब और मैसेजिंग ऐप ने मुख्यधारा का आकर्षण हासिल

किया है। हालांकि, पारंपरिक प्रिंट और प्रसारण मीडिया प्रासंगिकता बनाए रखते हैं, जो मीडिया पारिस्थितिक तंत्र में एक संकरता की ओर इशारा करते हैं।

जबकि राजनीतिक जानकारी तक पहुंचने के लिए न्यू मीडिया का उपयोग पूरे समूहों में अधिक है, शोध में उम्र, शिक्षा, आयु और लिंग के आधार पर भिन्नताएं पाई गईं। युवा और शिक्षित मतदाता मंच के उपयोग में अधिक विविधता प्रदर्शित करते हैं। संरचनात्मक बाधाएं बनी हुई हैं जो पुराने और कम विशेषाधिकार प्राप्त नागरिकों द्वारा प्रभावी न्यू मीडिया उपयोग में मध्यस्थता करती हैं।

अध्ययन में पाया गया कि न्यू मीडिया द्वारा सक्षम ऑनलाइन राजनीतिक जुड़ाव की उच्च दर, सूचना मांगने, मुद्दों पर बहस करने, अभियानों के लिए स्वयंसेवा करने और धन दान करने जैसी गतिविधियों में फैली हुई है। युवा और शिक्षित मतदाता न्यू मीडिया पर राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हैं। हालांकि, अभिव्यंजक गतिविधियों बनाम गहरी लामबंदी के बीच एक उपयोग अंतर मौजूद है।

विश्लेषण से पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा राजनीतिक प्रचार में न्यू मीडिया की भूमिका की मजबूत सार्वजनिक मान्यता का पता चलता है। हालांकि, चुनावों के आसपास गलत सूचना के प्रसार के बारे में चिंताएं मौजूद हैं। अनुसंधान नैतिक प्रथाओं और निरीक्षण को मजबूत करने के अवसरों पर प्रकाश डालता है।

न्यू मीडिया को राजनीतिक जानकारी तक पहुंच बढ़ाने और विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क में आने के रूप में माना जाता है। हालांकि, राजनीतिक राय को आकार देने में न्यू मीडिया चर्चाओं की भूमिका जटिल है।

अध्ययन में पाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर राजनीतिक संदेश ने विरोधियों की आलोचना के साथ राष्ट्रवादी और विकासात्मक अपीलों पर जोर दिया। मीडिया कवरेज अक्सर मुद्दे-आधारित रिपोर्टिंग के बजाय व्यक्तित्व, संघर्ष और सनसनीखेज कोणों का

उपयोग करके राजनीति को तैयार करता है। न्यू मीडिया चैनलों पर प्रेरक कथाओं को तैयार करने के लिए राजनीतिक वक्ताओं द्वारा बयानबाजी उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

साक्षात्कार में विशेषज्ञों ने डेटा गोपनीयता, ऑनलाइन उत्पीड़न, ध्रुवीकरण और बड़े पैमाने पर अनियमित न्यू मीडिया प्लेटफार्मों द्वारा सक्षम गलत सूचना के बारे में चिंताओं को रेखांकित किया। हालांकि, उन्होंने सोशल मीडिया और डिजिटल उपकरणों द्वारा प्रचारित नागरिक भागीदारी के लिए विस्तारित क्षेत्र को भी मान्यता दी। यह गहन जोखिम और अवसरों दोनों पर प्रकाश डालता है।

निष्कर्षों का एकीकृत विश्लेषण भारत में राजनीतिक संचार और सार्वजनिक संवाद को न्यू रूप देने में न्यू मीडिया प्रौद्योगिकियों की जटिल, संदर्भ-विशिष्ट भूमिका को उजागर करता है। जबकि न्यू मीडिया ने अधिक भागीदारी वाले राजनीतिक जुड़ाव को सक्षम किया है और विशेष रूप से युवाओं और शहरी मतदाताओं के लिए प्रवचन के न्यू क्षेत्रों को खोला है, ध्रुवीकरण, हेरफेर, गलत सूचना और डेटा नैतिकता के बारे में भी चिंताएं हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

साक्षात्कार के निष्कर्ष

राजनीतिक दल के रणनीतिकारों के प्रतिनिधियों के 8 विशेषज्ञों के साथ गहन साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। इसका उद्देश्य भारतीय राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका को उजागर और समझना था, सभी उत्तर प्रदेश की प्रमुख 4 पार्टी से थे -

2 बहुजन समाज पार्टी से , 2 भारतीय जनता पार्टी से , 2 समाजवादी पार्टी से , 2 कांग्रेस पार्टी से थे इसका उद्देश्य भारतीय राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका और निहितार्थ में गुणात्मक अंतर्दृष्टि प्राप्त करना था।

विशेषज्ञ साक्षात्कार में हाइलाइट किए गए प्रमुख विषय

विषय	**नमूना उद्धरण**
राजनीतिक ध्रुवीकरण	"सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप द्वारा बनाए गए इको चैंबरों ने विभिन्न दलों के समर्थकों के बीच वैचारिक ध्रुवीकरण को बढ़ा दिया है।
मतदाता पहुंच	"न्यू मीडिया राजनीतिक दलों को क्षेत्रों में एक व्यापक मतदाता आधार को सीधे जोड़ने की अनुमति देता है जैसा कि पहले कभी नहीं हुआ था।
पारदर्शिता	"नागरिकों को सीधे नेताओं से ऑनलाइन सवाल करने में सक्षम बनाकर, न्यू मीडिया ने शासन प्रक्रियाओं में अधिक पारदर्शिता लाई है।
गलत सूचना	"सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर नकली समाचार और छेड़छाड़ किए गए वीडियो का तेजी से प्रसार तथ्य-आधारित राजनीतिक प्रवचन को कमजोर कर रहा है।
अभद्र भाषा	"गुमनामी और ऑनलाइन जवाबदेही की कमी ने कुछ समूहों के खिलाफ चरम भाषण और घृणा के सामान्यीकरण को जन्म दिया है" - नागरिक समाज विशेषज्ञ
डेटा गोपनीयता	"पार्टियों द्वारा चुनावी प्रोफाइलिंग के लिए नागरिकों के डेटा के संग्रह के बारे में सहमति की कमी गोपनीयता उल्लंघन और नैतिक उपयोग पर चिंता पैदा करती है।
ऑनलाइन उत्पीड़न	"महिला राजनेताओं और पत्रकारों को ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर अभूतपूर्व ट्रोलिंग, उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ता है, जिससे भागीदारी कम हो जाती है।

विशेषज्ञ साक्षात्कार गुणात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं जो भारतीय राजनीतिक संचार में न्यू मीडिया की भूमिका की अधिक समग्र समझ प्रस्तुत करने के लिए सर्वेक्षण निष्कर्षों के पूरक हैं। साक्षात्कार नैतिक चुनौतियों, राजनीतिक ध्रुवीकरण, लैंगिक हानि और गलत सूचना जोखिमों के आसपास महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर करते हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

सारांश

विश्लेषण में सोशल मीडिया, मोबाइल ऐप, उपयोगकर्ता-जनित सामग्री और डेटा-संचालित लक्ष्यीकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली अधिक विकेन्द्रीकृत, इंटरैक्टिव सूचना साझाकरण और भागीदारी राजनीति के अवसर सामने आए। हालांकि, पहुंच और उपयोग में संरचनात्मक असमानताएं इन प्रौद्योगिकियों की लोकतांत्रिक क्षमता को रोकती हैं। गलत सूचना, अपारदर्शी निगरानी, ध्रुवीकरण, हेरफेर, लैंगिक उत्पीड़न और कम नीतिगत विमर्श के बारे में चिंताएं दृढ़ता से उभरती हैं, जो सूचित विचार-विमर्श और कार्रवाई की मांग करती हैं।

एकीकृत निष्कर्ष न्यू मीडिया कॉन्फ़िगरेशन, राजनीतिक संचार पैटर्न और सार्वजनिक राय की गतिशीलता के बीच जटिल, प्रासंगिक रूप से भिन्न संबंधों को उजागर करते हैं। अपने जोखिमों को संबोधित करते हुए डिजिटल प्लेटफार्मों के लाभकारी वादे को साकार करने के लिए बहु-हितधारक प्रयासों और बारीक, साक्ष्य-आधारित नीतियों की आवश्यकता होती है जो अधिकारों, नैतिकता, समावेश, पारदर्शिता और जवाबदेही को संतुलित करती हैं।

भविष्य के अनुसंधान निर्देश

यह अध्ययन अनुत्तरित प्रश्नों को संबोधित करने के लिए आगे के शोध के लिए एक आधार प्रदान करता है:

- भविष्य के अध्ययन चुनावी डेटा का उपयोग करके मतदान व्यवहार पर राजनीतिक सोशल मीडिया के दीर्घकालिक प्रभावों की जांच कर सकते हैं।
- शोधकर्ता लचीलापन को मजबूत करने के लिए गलत सूचना को लेबल करने जैसे मंच हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का पता लगा सकते हैं।
- हाइपरलोकल सामुदायिक मीडिया मॉडल और राजनीतिक प्रवचन के तुलनात्मक काम की आवश्यकता है।
- क्रॉस-नेशनल अध्ययनों को राजनीतिक ऑनलाइन भाषण के आसपास के नियमों और सामग्री मॉडरेशन नीतियों का विश्लेषण करना चाहिए।
- शोधकर्ता सोशल मीडिया पर राजनीतिक राय को आकार देने में टॉप-डाउन मैसेजिंग के विपरीत सहकर्मी प्रभावशाली लोगों के प्रभाव की जांच कर सकते हैं।
- राजनीतिक अभिव्यक्ति के लिए सोशल मीडिया पर एल्गोरिथम पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए अल्पसंख्यक समुदायों को सक्षम करने वाले कारकों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
- सार्वजनिक दृष्टिकोण को आकार देने में राजनीतिक कॉमेडी और व्यंग्य जैसे मनोरंजन प्रारूपों की भूमिका पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
- अध्ययन एआई, वीआर और आईओटी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ डेटा-संचालित राजनीतिक अभियान रणनीतियों में बदलाव की जांच कर सकते हैं।

- इस अध्ययन ने महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर करने और प्रमुख पैटर्न को उजागर करने का काम किया जो भविष्य के शोध के लिए आशाजनक दिशाएं प्रदान करते हैं।

सुझाव

न्यू मीडिया को सच्चाई और सत्यप्रियता के माध्यम के रूप में उपयोग करें। जानकारी को सत्यापित करें पहले उसे साझा करने से पहले, और विश्वसनीय स्त्रोतों से जानकारी प्राप्त करें।

न्यू मीडिया के प्रयोग में, व्यक्तिगत और आधिकारिक जानकारी की गोपनीयता की रक्षा करने के लिए सख्ती से कानूनी दिशानिर्देशों का पालन करें।

न्यू मीडिया पर सामग्री का उपयोग करते समय, कॉपीराइट और अन्य संचित सामग्री के संरक्षण के लिए उचित अनुमतियों का पालन करें।

भविष्य में न्यू मीडिया का उपयोग और अधिक बढ़ेगा इसलिए इसके इस्तेमाल पर विशेष ध्यान दे और न्यू मीडिया के इस्तेमाल लिए सख्त कानून बनाये जाये जिसका सख्ती से पालन भी हो।